

हिंदी विश्वविद्यालय में कस्तुरबा गांधी के जीवन पर 'बा' नाटक की प्रस्तुति  
वर्धा, 7 नवंबर 2017 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में कस्तुरबा गांधी के जीवन एवं



कार्यों का परिचय कराने वाले 'बा' नाटक की प्रस्तुति हाल ही में गालिब सभागार में की गयी। महात्मा गांधी



के जीवन में कस्तुरबा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और कस्तुरबा ने अपने जीवन और कार्यों से सादगी का

परिचय दिया है। इसी पर 'बा' नाटक आधारित है। "विश्वविद्यालय का स्त्री अध्ययन विभाग और गांधी स्मृति



Naresh Gautam

एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान कस्तुरबा के नाम : आजादी का आंदोलन एवं महिलाएं



Naresh Gautam

विषय राष्ट्रीय संगण्ठी के अवसर पर इस नाटक की प्रस्तुति की गयी जिसे उपस्थितों ने काफी सराहा। नाटक की परिकल्पना सहायक प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया पाठक की थी। नाट्य लेखन एवं संयोजन श्याम प्रकाश का तथा नाट्य निर्देशन प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरभि विप्लव का था।

इस नाटक में गौरव चौहान, ब्यूटी कुमारी, ममता यादव, शिल्पा भगत, आरती कुमारी, गीतेश, प्रियांशु सैनी, प्रवीण कुमार पाण्डेय, पुष्पेंद्र कुमार, कौशल कुमार, श्याम प्रकाश, राम सोढी, स्नेहा कुमारी, सोनाली पाण्डेय, प्रियंका ठाकुर, शिवकुमार, और धर्मराज आदि ने भूमिकाएं निभायी।

(फोटोग्राफी- नरेश गौतम)

## हंदी वलश्ववलदुडलललत कसुतुरडल गलंधी डलंऑुडलवर आधलरलत 'डल' नलडक डुरसुतुत

वरुधल, 7 नुव्हेंडर 2017 : डुहलतुडल गलंधी आंतररलषुडुीड हंदी वलश्ववलदुडलललत कसुतुरडल गलंधी डलंऑुडल डीवन व कलरुडलऑल डुरलऑुड करवून देणलरे 'डल' हे नलडक नुकतेऑ गलललड सडललुहलत सलदर करणुडलत आले. डुहलतुडल गलंधी डलंऑुडल डीवणलत कसुतुरडल गलंधी डलंऑी डुहलतुडलरुण डुडलकल रलहलली ती तुडलंनल कशी डलर डलडली डलवर 'डल' डल नलडकलतून डुरकलश टलकणुडलत आलल.वलश्ववलदुडलललतलल स्तुरी अधुडडन वलडललल आणल गलंधी सुडुती व दलरुशन सडलती, दललुली डलंऑुडल संडुकुत वलदुडडलने कसुतुरडल आणल सुवलतंतुड ऑळवळीत डलहललंऑे डुलगदलन डल वलषडलवर रलषुडुीड ऑलरुऑलसतुर घेणुडलत आले. डलवेळी 'डल' नलडक सलदर करणुडलत आले. नलडकलंऑी डुरलकलुडनल सलललडक डुरुलडेसर डुऑ. सुडुरलडल डलठक डलंऑी हुती तर नलडुड लेखन, संडुलऑन शुडलड डुरकलश डलंऑे हुते. नलडुड नलरुदेशन डुरदलरुशनकलरी कलल वलडलललतलल सलललडक डुरुलडेसर डुऑ. सुरडल वलडुलव डलंनल केले. नलडकललल उडसुथलतलंऑी उतुसुडुुत दलद डलळलली.

डल नलडकलत गुरलव ऑुहुलन, डुडुटी कुडलरी, डडतल डलदव, शललुडल डुगत, आरती कुडलरी, गीतेश, डुरलडलंशु सैनी, डुरवीण कुडलर डलंडे, डुषुडेंदुर कुडलर, कुशल कुडलर, शुडलड डुरकलश, रलड सुुडुी, सुेहल कुडलरी, सुुनलली डलंडे, डुरलडंकल ठलकुर, शलवकुडलर व धरुडुरलऑ डलंनल डुडलकल केलुडल.

(डुलुुुगुरलडुी -नरेश गुलतड)